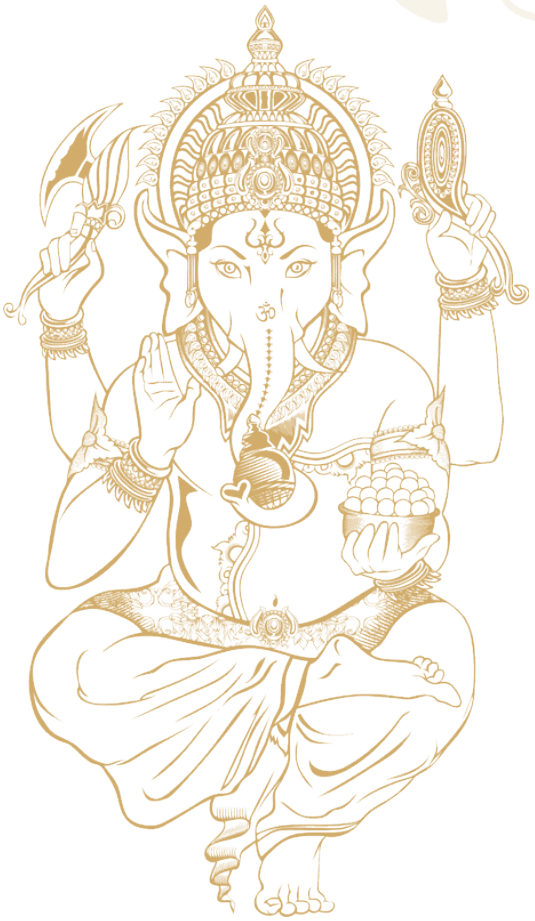

Mr.a

Ms.s

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120610706

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
3-04/03/1979	जन्म तिथि	30-31/05/1988
शनि-रविवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 04:20:00	जन्म समय	02:30:00 घंटे
घटी 53:56:51	जन्म समय(घटी)	52:44:26 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:15	सूर्योदय	05:24:13
18:21:36	सूर्यास्त	19:13:23
23:33:55	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 5वर्ष 0मा 20दि	03:15:18	मक	लग्न	मीन	21:37:51	शनि 11वर्ष 6मा 3दि
गुरु	19:12:05	कुंभ	सूर्य	वृष	15:56:52	शुक्र
24/03/2019	28:45:56	मेष	चंद्र	वृश्चि	08:35:22	04/12/2023
24/03/2035	09:40:14	कुंभ	मंगल	कुंभ	11:42:46	04/12/2043
गुरु 11/05/2021	06:30:42	मीन	बुध	मिथु	03:02:38	शुक्र 04/04/2027
शनि 22/11/2023	06:12:58	कर्क व	गुरु	मेष	25:33:53	सूर्य 03/04/2028
बुध 27/02/2026	06:42:11	मक	शुक्र व	मिथु	05:22:03	चन्द्र 03/12/2029
केतु 03/02/2027	16:48:10	सिंह व	शनि व	धनु	07:01:18	मंगल 02/02/2031
शुक्र 04/10/2029	23:55:39	सिंह	राहु व	कुंभ	25:55:47	राहु 02/02/2034
सूर्य 23/07/2030	23:55:39	कुंभ	केतु व	सिंह	25:55:47	गुरु 03/10/2036
चन्द्र 22/11/2031	27:24:39	तुला व	हर्ष व	धनु	06:09:51	शनि 04/12/2039
मंगल 28/10/2032	26:49:39	वृश्चि	नेप व	धनु	15:53:38	बुध 04/10/2042
राहु 24/03/2035	25:11:39	कन्या व	प्लूटो व	तुला	16:42:43	केतु 04/12/2043

लग्न-चलित

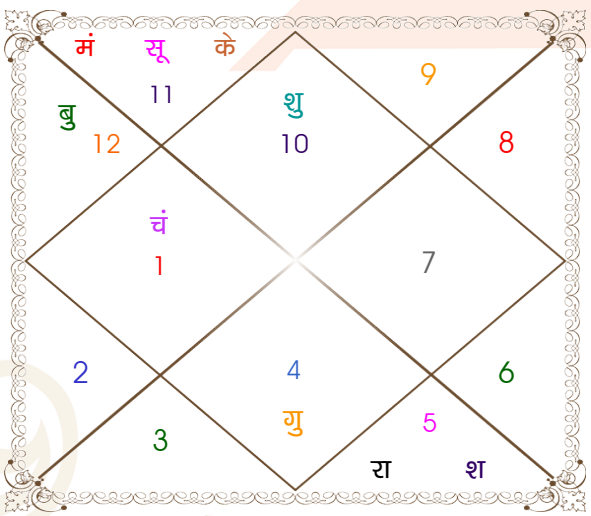

लग्न-चलित

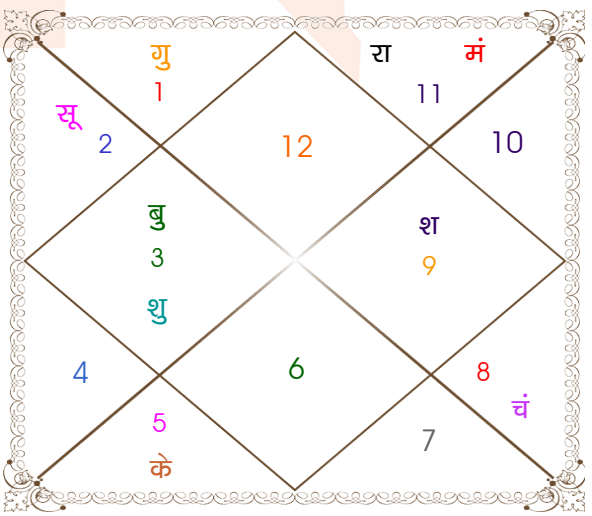

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतणं का वर्ग गरूड़ है तथा डेणे का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतणं और डेणे का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

डतणं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

डेणे मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु डेणे कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डतणं तथा डेणे में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।